

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

प्रलिस के ललल:

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, कषय रोग (TB), आयुषमान भारत डजिटल स्वास्थय मशिन, सतत् वकलस लकष्य (SDG) ।

मेन्स के ललल:

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, स्वास्थय, सरकारी नीतललल और हसतकषेप ।

चरचा में क्यल?

हलल ही में **कषय रोग (TB)** के खलललफ देश की लडडलई में तेडडी ललने और वर्ष 2025 तक रोग को खतम करने के प्रधानमंत्री द्वारा नरलधरतल लकष्य को प्रलपत करने के लललल राष्ट्रपतलने **प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान** का शुभारंभ कललल ।

'कषय रोग' (TB)

- **परचलल:** टीबी या कषय रोग 'मलडकोबैकटीरललम ट्युबरकुलोसलसल' नलमक जीवलणु के कारण होता है,
 - यह आमतलर पर फेफडुल को प्रभवलतल करता है, लेकनल शरीर के अनूय हसलसुल को भी प्रभवलतल कर सकतल है ।
 - यह एक **इललज योगूय और सलधूय रोग** है ।
- **संचरण:** टीबी रोग हवल के मलधूयम से एक वूकतल से दूसरे वूकतल में फैलतल है । जब 'पलमोनरी टीबी' से पीडडतल कोई वूकतल खलसतल, छीकतल या थूकतल है, तो वह टीबी के कीटाणुओु को हवल में फैलल देतल है ।
- **लकषण:** 'पलमोनरी टीबी' के सलमलनूय लकषणुल में बलगम, कई बलर खून के सलथ खलसल और सीने में दरद, कमडुुरी, वडन कम होनल, बुखलर और रलत को पसीनल आनल शलमलल है ।
- **वैकसुनल:** बैसलल कैलमेट-गुएरनल (BCG) टीबी रोग के लललल एक टीकल है ।
- **संबंधतल आंकडुे:**
 - वर्ष 2020 में टीबी से कुल 1.5 मलललन लगुल की मृतूयु हुई और अनुमलनतल 10 मलललन लगु दुनूयल भर में तपेदकल (टीबी) से बीमलर हुए ।
 - भरत में दुनूयल कल सबसे अधकल तपेदकल कल डुडल है, अनुमलनतल 26 ललख लगु इस बीमलरी से गुरसतल हैं और लगभग 4 ललख लगु प्रतूयेक वर्ष इस बीमलरी से मरते हैं ।
- **भरत के लललल चुनूतलललल:**
 - भरत में टीबी को नरूतुरतल करने के लललल प्रमुख चुनूतलललल में शलमलल हैं:
 - कई रलजूओु के गुरलमीण कषेतुरुल में खरलब प्रलथमकल स्वास्थय देखभलल बुनूयलदी डूँचल ।
 - अनूयमतल नजुी स्वास्थय देखभलल के कारण पहलूी पंकतल और दूसरी पंकतलकी टीबी रूधी देवलओु कल वूयलपक तुरकहीन उपूयुग ।
 - गरीबी:
 - रलजनीतकल इच्छलशकतलकी कमी और इसके अतरकलत, भ्रषुट प्रशलसन ।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान:

- **परचलल:**
 - यह वर्ष 2025 तक टीबी उनूूलन की दशल में देश की प्रगतल में तेडडी ललने के लललल **स्वलस्थय और परवलर कलूयलण मंतरललल (MoHFW)** की एक पहल है ।
- **उददेशूय:**
 - टीबी रोगूल के उपचलर परणललु में सुधलर के लललल अतरकलत रूगी सलहलतल प्रदलन करनल ।
 - 2025 तक टीबी को सलमलपत करने की भरत की प्रतलडलदधतल को पूरल करने में सलमुदलल की भलगीदलरी डडनल ।
 - **कूँरुपूरेट सलमलजकल उतुतरदललतलव (Corporate Social Responsibility-CSR)** गतलवलधललल कल ललभ उतलनल ।

■ घटक:

- न-किषय मतिर पहल: यह टीबी के इलाज के लिये अतिरिक्त नदिन, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चति करता है।
 - न-किषय मतिर (दाता) सरकारी प्रयासों के पूरक के लिये टीबी के खलिफ प्रतिक्रिया में तेज़ी लाने हेतु स्वास्थ्य सुवधाओं के लिये (व्यक्तगत दाता के लिये), बलॉक/शहरी वार्डों/ज़िलों/राज्यों के स्तर पर सहायता करते हैं।
- न-किषय डजिटल पोर्टल: यह टीबी से पीड़ित व्यक्तियों के लिये सामुदायिक सहायता के लिये एक मंच प्रदान करेगा।

टीबी के इलाज से संबंधित अन्य पहलें:

■ वैश्विक प्रयास:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation-WHO) ने ग्लोबल फंड और स्टॉप टीबी पार्टनरशिप के साथ एक "Find. Treat. All. #EndTB" संयुक्त पहल शुरू की है।
- WHO, ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट भी जारी करता है।

■ भारत के प्रयास:

- भारत के राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals-SDGs) में निर्धारित वर्ष 2030 की अवधि से पाँच वर्ष पूर्व देश से वर्ष 2025 तक टीबी महामारी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- कषय रोग उन्मूलन (वर्ष 2017-2025), नकिषय पारस्थितिकी तंत्र (राष्ट्रीय टीबी सूचना प्रणाली), नकिषय पोषण योजना-वर्तितय सहायता, टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान के लिये राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP) आदि।
- वर्तमान में टीबी के लिये दो टीके वैक्सीन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट (Vaccine Project Management- VPM) 1002 और माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रणी (Mycobacterium indicus pranii) विकसित और पहचाने गए हैं जो नैदानिक परीक्षण के तीसरे चरण से गुजर रहे हैं।
- न-किषय पोषण योजना: यह रोगियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 500 रुपए की सहायता प्रदान करती है।
- आयुष्मान भारत डजिटल स्वास्थ्य मशिन: सरकार ने आयुष्मान भारत डजिटल स्वास्थ्य मशिन के तहत टीबी रोगियों के लिये प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और डजिटल स्वास्थ्य पहचान पत्र बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है ताकि उचित नदिन और उपचार सुनिश्चति किया जा सके।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ):

प्रश्न: भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया मशिन 'इंद्रधनुष' किससे संबंधित है? (2016)

- (a) बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण
- (b) देश भर में स्मार्ट शहरों का निर्माण
- (c) बाहरी अंतरिक्ष में पृथ्वी सदृश ग्रहों के संदर्भ में भारत की खोज
- (d) नई शिक्षा नीति

उत्तर: A

व्याख्या:

- मशिन इंद्रधनुष 25 दिसंबर, 2014 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक टीकाकरण योजना है।
- इंद्रधनुष के सात रंगों को दर्शाते हुए, इसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक उन सभी बच्चों को कवर करना है, जो डिप्थीरिया, काली खाँसी, टेटनस, पोलियो, तपेदक, खसरा और हेपेटाइटिस B सहित सात टीकों से बचाव योग्य रोगों के खिलाफ आंशिक रूप से टीका लगाया गया है।
- यह मशिन तकनीकी रूप से WHO, यूनिसेफ, रोटर इंटरनेशनल और अन्य दाता भागीदारों द्वारा समर्थित है।

अतः विकल्प A सही है।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)